शुभमन की कप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए तैयार है भारतीय टीम

केएल राहुल को उपकप्तानी की जिम्मेदारी

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम शुभमन गिल की कप्तानी ओर केएल राहुल की उपकप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए उतरेगी। वहीं इससे पहले बीसीसीआई चयन समिति (बीसीसीआई) ने इस सीरीज के लिए जो टीम घोषित की है। उसमें अनुभवी और युवाओं दोनेा को ही जगह मिली है।

इस सीरीज में मध्यक्रम की जिम्मेदारी बल्लेबाज केएल राहुल के कंधों पर होगा। इसका कारण है कि एकदिवसीय प्रारुप में राहुल का रिकार्ड बेहद शानदार रहा है; अब तक खेले गए मुकाबलों में उनके बल्ले से करीब पचास से अधिक की औसत से रन निकले हैं, जिसमें 7 शतक और 25 से अधिक अर्धशतक शामिल हैं। मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने चार और पांच नंबर पर भारतीय टीम को जबरदस्त मजबूती दी है। इस सीरीज में उन पर केवल रन बनाने की जिम्मेदारी नहीं होगी, बल्कि शुभमन के साथ मिलकर टीम को सही दिशा में आगे बढ़ाने और युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने की भूमिका भी रहेगी। विकेटकीपिंग के विकल्प के रूप में भी राहुल पहली पसंद बने रहेंगे, जबकि युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को बैक-अप विकेटकीपर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है।

टीम के स्टार आलराउंडर हार्दिक पंड्या को फिटनेस कारणों से शामिल नहीं किया गया है। राष्ट्रीय चयन समिति ने साफ कर दिया है कि उन्हें राष्ट्रीय टीम में सीधे एंट्री नहीं मिलेगी। हार्दिक पंड्या को भारतीय सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए पहले भारत ए के लिए खेलकर अपनी मैच-फिटनेस साबित करनी होगी। चयनकर्ताओं का नियम स्पष्ट है कि हार्दिक को एक मैच में कम से कम 10 ओवर गेंदबाजी करके अपनी फिटनेस का प्रमाण देना होगा, जिसके बाद ही एकदिवसीय टीम में उनकी वापसी पर विचार किया जाएगा। हार्दिक के अलावा स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी अलग-अलग कारणों से इस वनडे सीरीज से बाहर रहे हैं, जिससे भारतीय वनडे आलराउंडर विभाग में रवींद्र जडेजा और युवा नितीश कुमार रेड्डी पर जिम्मेदारी बढ़ गई है। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों की मौजूदगी भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूती प्रदान करती है।

न्यूज ब्रीफ

मेसी के गोल और असिस्ट से इंटर मियामी ने कैम्पेओनेस कप का खिताब जीता

मियामी। लियोनेल मेसी के गोल और असिस्ट की बदौलत इंटर मियामी ने क्रूज अजुल को 2-0 से हराकर पहली बार कैम्पेओनेस कप का खिताब जीत लिया। यह मुकाबला मेजर लीग साकर और मैक्सिकन लीगा एमएक्स के चैंपियन के बीच खेला जाता है। इंटर मियामी के लिए यह कैम्पेओनेस कप में पहली खिताबी जीत है। वहीं, टीम के नए मुख्य कोच क्रिस्टियन किली गोंजालेज के कार्यकाल का भी यह पहला मुकाबला था। मेसी ने बेहतरीन हेडर के जरिए इंटर मियामी को बढ़त दिलाई। छोटे कद के अर्जेंटीनी स्टार ने लुइस सुआरेज के क्रास पर विलर डिट्ठा के ऊपर छलांग लगाकर शानदार हेडर से गेंद को गोल में पहुंचाया। मेसी ने इसके बाद खुद दूसरा गोल करने की कोशिश की। सुआरेज के पास पर आगे बढ़ते हुए उन्होंने गेंद को गोल में डाल दिया, लेकिन उन्हें आफसाइड करार दिया गया। हालांकि, मेसी ने कुछ ही देर बाद दूसरे गोल में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कार्नर से शानदार गेंद भेजी, जिस पर कासेमिरो ने हेडर के जरिए गोल कर इंटर मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। यह कैम्पेओनेस कप का आठवां संस्करण था और इसकी मेजबानी हमेशा मेजर लीग साकर की टीम करती है। इंटर मियामी की जीत से पहले पिछले तीन संस्करणों में मैक्सिको की टीमों ने खिताब जीता था। मैक्सिको की दिग्गज टीम क्रूज अजुल अब तक कैम्पेओनेस कप का खिताब नहीं जीत सकी है। टीम को 2021 के फाइनल में भी हार का सामना करना पड़ा था।

अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स प्रतियोगिता के लिए रागिनी का हुआ चयन

भोपाल। भोपाल निवासी अंतरराष्ट्रीय तैराक खिलाड़ी रागिनी श्रीवास्तव का चयन एशियन मास्टर्स में भारतीय तैराक खिलाड़ी दल के सदस्य के रूप में किया गया है। हाल में हरियाणा के बहादुर गढ़ में हुई 22 वीं मास्टर्स तैराकी प्रतियोगिता में भोपाल निवासी रागिनी श्रीवास्तव ने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया था। रागिनी को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर एशियन मास्टर्स में भारतीय तैराक खिलाड़ी के रूप में दल में शामिल किया गया है। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा भारत में चौथा स्थान पाने वाली रागिनी को एशियन मास्टर्स तैराकी प्रतियोगिता में भाग लेने की जानकारी दी गई है।

नोवाक जोकोविच ने चाइना ओपन में खेलने की पुष्टि की, 11 साल बाद बीजिंग लौटेंगे

बीजिंग। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने आगामी चाइना ओपन में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। एटीपी-500 टूर्नामेंट का आयोजन बीजिंग में 28 सितंबर से 6 अक्टूबर तक किया जाएगा। जोकोविच ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मैं कई वर्षों बाद बीजिंग में चाइना ओपन खेलने के लिए वापस आ रहा हूं। 39 वर्षीय जोकोविच 11 साल बाद इस टूर्नामेंट में वापसी करेंगे। चाइना ओपन में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर और हाल में यूएस ओपन का खिताब जीतने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी हिस्सा लेंगे। जोकोविच ने कहा, मैं आप सभी के सामने नेशनल टेनिस सेंटर में वापस आकर खेलने के लिए उत्साहित हूं। यह टेनिस की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। मेरे करियर में इस स्थान से जुड़ी कई शानदार यादें और बड़ी सफलताएं रही हैं। जोकोविच के लिए यह टूर्नामेंट अमेरिकी ओपन में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद वापसी का मौका होगा। उन्हें अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मारियानो नवोने के हाथों चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद वह आठ साल में पहली बार एटीपी की शीर्ष-10 रैंकिंग से बाहर हो गए थे।

भारतीय फुटबालर दलिमा छिब्बर नोवा स्पोर्ट्स से जुड़ीं, युवा महिला खिलाड़ियों के विकास की संभालेंगी जिम्मेदारी

मुंबई

भारतीय राष्ट्रीय महिला फुटबाल टीम की खिलाड़ी दलिमा छिब्बर नोवा स्पोर्ट्स से जुड़ गई हैं। उन्हें फुटबाल कल्चर और प्लेयर पाथवे लीड की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह नोवा फुटबाल अकादमी के पाठ्यक्रम, खिलाड़ियों के विकास की प्रक्रिया और एथलीट मेंटरशिप कार्यक्रम को तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगी।

दलिमा खिलाड़ियों, कोचों और अभिभावकों के लिए संपर्क सूत्र के रूप में भी काम करेंगी। इसके अलावा वह कैमरे के सामने और बाहर नोवा स्पोर्ट्स के ब्रांड का प्रतिनिधित्व करेंगी।

उनकी भूमिका में फुटबाल के व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में योगदान देना भी शामिल है। इसमें कोचों को जोड़ना, उनका प्रशिक्षण और विकास तथा विशेष रूप से महिला कोचों की पहचान और उन्हें आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा। दलिमा खिलाड़ियों के विकास के अलग-अलग चरणों में सहयोग करने वाली व्यवस्थाएं तैयार करने में भी योगदान देंगी।

नोवा स्पोर्ट्स के साथ जुड़ने पर दलिमा ने कहा, खिलाड़ियों और महिला फुटबालरों के रूप में हम लंबे समय से अधिक व्यवस्थित व्यवस्था और खेल को आगे बढ़ाने में मदद करने वाले लोगों की मांग कर रहे हैं। कैप्री स्पोर्ट्स को आगे आकर यह पहल करते देखना बहुत उत्साहजनक है। महिला फुटबाल में काफी संभावनाएं हैं और मैं इस राह को तैयार करने का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं।

उन्होंने कहा, मैं एक खिलाड़ी और खेल मनोवैज्ञानिक के रूप में अपने अनुभव तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभव को नोवा स्पोर्ट्स के कार्यक्रम और फुटबाल पाठ्यक्रम को तैयार करने में लगाने के लिए उत्साहित हूं। किसी खिलाड़ी का विकास सिर्फ उसे गेंद को किक करना सिखाने तक सीमित नहीं है। एक खिलाड़ी के संपूर्ण विकास के लिए बहुत कुछ जरूरी होता है।

दलिमा ने कहा कि फुटबाल मानसिक और शारीरिक दोनों तरह की तैयारी मांगता है तथा सही मार्गदर्शन, पोषण और सहयोग भी जरूरी है। उन्होंने कहा, मेरी भूमिका खिलाड़ियों के विकास की राह और

उसकी सोच को तैयार करने के साथ ऐसी व्यवस्था बनाना भी है, जिसमें युवा लड़कियां खुद को देख सकें, पेशेवर फुटबाल को अपना लक्ष्य बना सकें, बड़े सपने देख सकें और अंतत: राष्ट्रीय टीम तक पहुंच सकें।

बेंगलुरु में आयोजित हुआ सुपरनोवा फुटबाल चैंपियनशिप - दलिमा की नियुक्ति से पहले नोवा स्पोर्ट्स ने बेंगलुरु में पहली सुपरनोवा फुटबाल चैंपियनशिप का आयोजन किया था। दो दिवसीय सात खिलाड़ियों वाली इस प्रतियोगिता में बेंगलुरु के विभिन्न स्कूलों की टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता ने युवा लड़कियों को प्रतिस्पर्धा करने, अपनी प्रतिभा दिखाने और समर्पित मैचडे माहौल में फुटबाल खेलने का अवसर दिया।

दलिमा इस प्रतियोगिता में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुई थीं। उन्होंने कहा, जब मैंने खेलना शुरू किया था, तब इस तरह के टूर्नामेंट नहीं होते थे। यह भारत में जमीनी स्तर की महिला फुटबाल में मेरे देखे सबसे बड़े आयोजनों में से एक था। अलग-अलग आयु वर्ग और स्कूल टीमों की इतनी युवा लड़कियों को अपनी प्रतिभा दिखाते और एक-दूसरे के खिलाफ खेलते देखना शानदार रहा, क्योंकि बचपन में मुझे ऐसा देखने का अवसर नहीं मिला।

उन्होंने कहा, खिलाड़ी के विकास के लिए बुनियादी ढांचे, सुविधाओं, पहुंच और जरूरी सहयोग के स्तर पर काफी कमियां रही हैं। हम नोवा स्पोर्ट्स के माध्यम से इन्हीं कमियों को दूर करना चाहते हैं। हमारा लक्ष्य सिर्फ लड़कियों को गेंद खेलना सिखाना नहीं, बल्कि खिलाड़ियों और व्यक्तियों के रूप में उनका संपूर्ण विकास करना है।

दलिमा के जुड़ने से नोवा स्पोर्ट्स की दीर्घकालिक योजना को एक अनुभवी भारतीय फुटबालर का अनुभव और दृष्टिकोण मिलेगा। उच्चतम स्तर पर खेलने के उनके अनुभव के साथ महिला फुटबाल की चुनौतियों और संभावनाओं की समझ युवा खिलाड़ियों के लिए उपयोगी साबित होगी।

नोवा स्पोर्ट्स की शुरुआती योजनाओं में ही दलिमा जैसी अनुभवी खिलाड़ी की सक्रिय भागीदारी युवा फुटबालरों को मार्गदर्शन और एक मजबूत आदर्श उपलब्ध कराएगी, जिससे उन्हें अपने फुटबाल करियर की राह तय करने में मदद मिल सकेगी।

सूर्यकुमार ने परिवार के साथ लालबागचा राजा के दरबार में माथा टेका

मुंबई

मन्नत पूरी होने की बात भी कही

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने परिवार के साथ भगवान गणेश के दर्शन किये। सूर्यकुमार ने मुंबई के विश्व प्रसिद्ध लालबागचा राजा के यहां अपने पूरे परिवार के साथ गणपति बप्पा के दरबार में माथा देका। इस दौरान सूर्यकुमार ने अपनी एक निजी मन्नत पूरी होने की बात भी साझा की।

सूर्यकुमार ने कहा कि पिछले साल, वह अपनी पत्नी के साथ लालबागचा राजा के दरबार में बेटी के लिए प्रार्थना करने आए थे। बप्पा ने उनकी यह मन्नत पूरी की और उन्हें बेटी का आशीर्वाद मिला। इसी अनुग्रह और खुशी के प्रतीक के रूप में, इस बार वह सपरिवार गणपति बप्पा के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करने और उनका आशीर्वाद लेने फिर से लालबागचा राजा के पंडाल पहुंचे हैं।

लालबागचा राजा के दर्शन के बाद सूर्या ने कहा कि, यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं पिछले पांच-छह सालों से लगातार यहां आ रहा हूं। उन्होंने बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे नोट देखे थे, जिनमें भारत की भविष्य की विश्व कप जीत की कामना की गई थी, जैसे 2024 और 2026 में उनकी कप्तानी में भारत का विश्व चैंपियन बनना। सूर्या ने जोर देकर कहा कि लालबागचा राजा के दरबार में मांगी गई मन्नतें अक्सर बहुत असरदार होती हैं और सच होती हैं।

गौरतलब है कि अपने करियर में कई बड़ी उपलब्धियां हासिल करने वाले सूर्यकुमार ने क्रिकेट जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। वह 2022 और 2023 में लगातार दो बार आईसीसी पुरुष टी20आई क्रिकेटर आफ द ईयर का प्रतिष्ठित अवार्ड जीत चुके हैं। अक्टूबर 2022 में वह आईसीसी पुरुष टी20आई रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने थे और जनवरी 2023 में 910 रेटिंग अंकों के साथ सर्वोच्च स्कोर तक पहुंचे थे।

टीम में वापसी के सवाल पर सूर्यकुमार यादव ने बेहद शांत और संयमित अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनके हाथ में सिर्फ और सिर्फ कड़ी मेहनत करना है और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना है। आगे क्या होता है, यह चयनकर्ताओं के ऊपर है और वह उनके फैसले का सम्मान करेंगे। इस दौरान भी उनके चेहरे पर बप्पा के प्रति अटूट विश्वास साफ झलक रहा था।

निशानेबाज अनीश को एशियाई खेलों में बेहतर प्रदर्शन का भरोसा

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाज अनीश भानवाला को 19 सितंबर से जापान में शुरू होने वाले एशियाई खेलों में अपने बेहतर प्रदर्शन का भरोसा है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय खेल प्रतियोगिता के पिछले दो संस्करणों में मिले अनुभव के बाद, वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। अनीश ने साल 2018 के एशियाई खेलों के टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता था। अनीश ने कहा कि यह मेरे लगातार तीसरे एशियाई खेल होंगे, और उन सभी अनुभवों के साथ, मैं इस बार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। अनीश ने कहा कि हालांकि वह अभी 24 साल के हैं, लेकिन अभी उनका खेल जीवन काफी लंबा है। उन्होंने कहा कि हमारे दोनों ट्रेनिंग कैंप पूरे हो चुके हैं और सब कुछ तैयार है। वहीं शूटिंग के दिग्गज और कई बार कामनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाले निशानेबाज जसपाल राण पर लिखी किताब को लेकर उन्होंने कहा कि जसपाल की किताब मैवरिक जसपाल का लान्च एक बहुत ही भावुक पल था। यह किताब निश्चित रूप से उनके सफर और उनकी विरासत को सामने लाती है। मुझे यकीन है कि इससे देश के युवा खिलाड़ियों और आने वाले सभी एथलीट्स को बहुत प्रेरणा मिलेगी।

डब्ल्यूसीपीएल में खेलने से भारतीय महिला क्रिकेटरों को मिलेगा बड़ा अनुभव: झूलन गोस्वामी

बारबाडोस

भारतीय महिला क्रिकेटरों के लिए महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) में खेलना विदेशी परिस्थितियों को समझने और अपने खेल को बेहतर बनाने का महत्वपूर्ण अनुभव है। त्रिनबागो नाइट राइडर्स महिला टीम की मुख्य कोच और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने कहा कि घरेलू माहौल से बाहर निकलकर अलग परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों को भविष्य में बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

डब्ल्यूसीपीएल में भारतीय खिलाड़ियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। जेमिमा रोड्रिग्स पहले त्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए खेल चुकी हैं, जबकि यास्तिका भाटिया इस सत्र में टीम का हिस्सा हैं। शिखा पांडे भी कई वर्षों से टीम के साथ जुड़ी हुई हैं। झूलन ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में कहा, एक क्रिकेटर के तौर पर जब आप अपने सहज माहौल से बाहर निकलकर खेलते हैं तो आपको बहुत अनुभव मिलता है। निश्चित रूप से यह भविष्य में आपकी मदद करता है। यही वजह है कि जब भी भारतीय लड़कियों को इस तरह का अवसर मिलता है तो वे यहां आकर खेलना पसंद करती हैं।

उन्होंने कहा, आखिरकार आप अच्छी गुणवत्ता वाली और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेल रहे होते हैं। डब्ल्यूसीपीएल लगातार बढ़ रही है। इस साल हमने एक और टीम जोड़ी है, इसलिए पूरे टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा महसूस की जा सकती है। झूलन ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों के लिए कैरेबियाई परिस्थितियों में खेलना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां उन्हें कई काम खुद करने पड़ते हैं। उन्होंने कहा, हमारी लड़कियों के लिए यह अच्छी बात है कि वे अपने सहज माहौल से बाहर निकलकर इस तरह के टूर्नामेंट में खेल रही

हैं। भारत में जब भी आप कुछ मांगते हैं तो बहुत सी चीजें आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं, लेकिन यहां आपको खुद बहुत कुछ करना पड़ता है। उन्होंने कहा, यह हमारी लड़कियों के लिए अच्छी बात है। जब वे यहां आकर यह अनुभव हासिल करती हैं तो भविष्य में बहुत अच्छे निर्णय लेने वाली खिलाड़ी बन सकती हैं। त्रिनबागो नाइट राइडर्स महिला टीम ने डब्ल्यूसीपीएल के उद्घाटन संस्करण में 2022 में खिताब जीता था। टीम अब 2026 संस्करण के फाइनल में गुयाना अमेजन वारियर्स महिला टीम का सामना करेगी। फाइनल केंसिंग्टन ओवल में खेला जाएगा।

मैथ्यू वेड ने बिग बैश लीग से लिया संन्यास, अब कोचिंग करियर पर देंगे ध्यान

होबार्ट

आस्ट्रेलिया के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने बिग बैश लीग (बीबीएल) क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। वह अब अपना पूरा ध्यान कोचिंग करियर पर लगाएंगे। वेड फिलहाल आस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के सीमित ओवरों के बल्लेबाजी कोच की भूमिका भी निभा रहे हैं।

वेड पिछले साल भी आस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के साथ सलाहकार के रूप में काम कर रहे थे और इसी दौरान होबार्ट हरिकेंस के लिए बिग बैश लीग में खेलते रहे। हालांकि, उन्होंने 2026-27 सत्र से पहले पूरी तरह से खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट से हटने का फैसला किया है।

वेड ने 2024 टी-20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। अब बिग बैश लीग से विदाई के साथ उन्होंने इस प्रतियोगिता के इतिहास में अपनी जगह बनाने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में से एक के रूप में करियर समाप्त किया है।

वेड ने बिग बैश लीग के उद्घाटन सत्र 2011-12 में मेलबर्न स्टार्स के साथ अपना करियर शुरू किया था, जहां उन्होंने महान स्पिनर शेन वार्न के साथ खेला। उन्होंने स्टार्स के लिए 16 और मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए 13 मैच खेले। इसके बाद वह अपने गृह राज्य तस्मानिया लौटे और होबार्ट हरिकेंस के लिए 90 मुकाबलों में मैदान पर उतरे।

बिग बैश लीग में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में वेड नौवें स्थान पर हैं, जबकि विकेट के पीछे सर्वाधिक शिकार करने वाले खिलाड़ियों में वह पांचवें स्थान पर हैं। हरिकेंस के

लिए बेन मैकडरमाट और डीआर्सी शार्ट ने उनसे अधिक रन बनाए हैं, लेकिन टीम के लिए वेड के करियर के सर्वश्रेष्ठ 130 रन नाबाद से बड़ी पारी किसी अन्य बल्लेबाज ने नहीं खेली है।

वेड हरिकेंस की पहली बिग बैश लीग खिताबी जीत में भी अहम भूमिका में रहे थे। टीम ने 2024-25 सत्र में पहली बार प्रतियोगिता का खिताब जीता था।

हरिकेंस के कोच जेफ वान ने एक आधिकारिक बयान में कहा, वेडी उन क्रिकेटरों में से हैं, जिन्हें आप हमेशा अपनी टीम में चाहते थे। वह जब भी मैदान पर उतरते थे, पूरी ताकत से मुकाबला करते थे और बहुत तेजी से मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते थे।

उन्होंने कहा, लेकिन उतना ही महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने अपने आसपास के खिलाड़ियों को भी बहुत कुछ दिया। उनका क्रिकेटिंग दिमाग शानदार है और वह हमेशा अपना ज्ञान साझा करने तथा अपने साथियों को बेहतर बनने के लिए चुनौती देने के लिए तैयार रहते थे।

वान ने कहा, हमारी प्रणाली में ऐसे कई खिलाड़ी हैं, जिन्हें मैट के साथ खेलने से फायदा हुआ है और मुझे लगता है कि यह यहां उनकी विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।

हरिकेंस की हाई परफार्मेंस मैनेजर सैलिअन बीम्स ने भी वेड के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, मैथ्यू लंबे समय से हरिकेंस और तस्मानियाई क्रिकेट के लिए बेहद महत्वपूर्ण व्यक्ति रहे हैं। उनका रिकार्ड खुद बहुत कुछ कहता है, लेकिन आंकड़ों में हमेशा वह प्रभाव नजर नहीं आता जो उन्होंने अपने आसपास के खिलाड़ियों और लोगों पर डाला।

उन्होंने कहा, वह एक शानदार प्रतिस्पर्धी, लीडर और ऊंचे मानक तय करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। खेल के सर्वोच्च स्तर पर उनका अनुभव हमारे खिलाड़ियों के लिए बेहद मूल्यवान रहा है। बीम्स ने कहा, मैट ने हरिकेंस को बहुत कुछ दिया है और क्लब के लिए उनके योगदान के लिए हम बेहद आभारी हैं।